हमारा राज्य, हमारा जिला

यह है मध्यप्रदेश राज्य का नक्शा। उसे 61 ज़िलों में बाँटा गया है। इन 61 ज़िलों की सीमाएँ और उनके नाम इस नक्शे में दिखाए गए हैं। इन ज़िलों में अपना ज़िला पहचानो। *कुछ ही महीनों में इसका एक हिस्सा छत्तीसगढ़ बन जाएगा। तब मध्यप्रदेश में 45 और छत्तीसगढ़ में 16 ज़िले होंगे।

मध्यप्रदेश के ज़िले

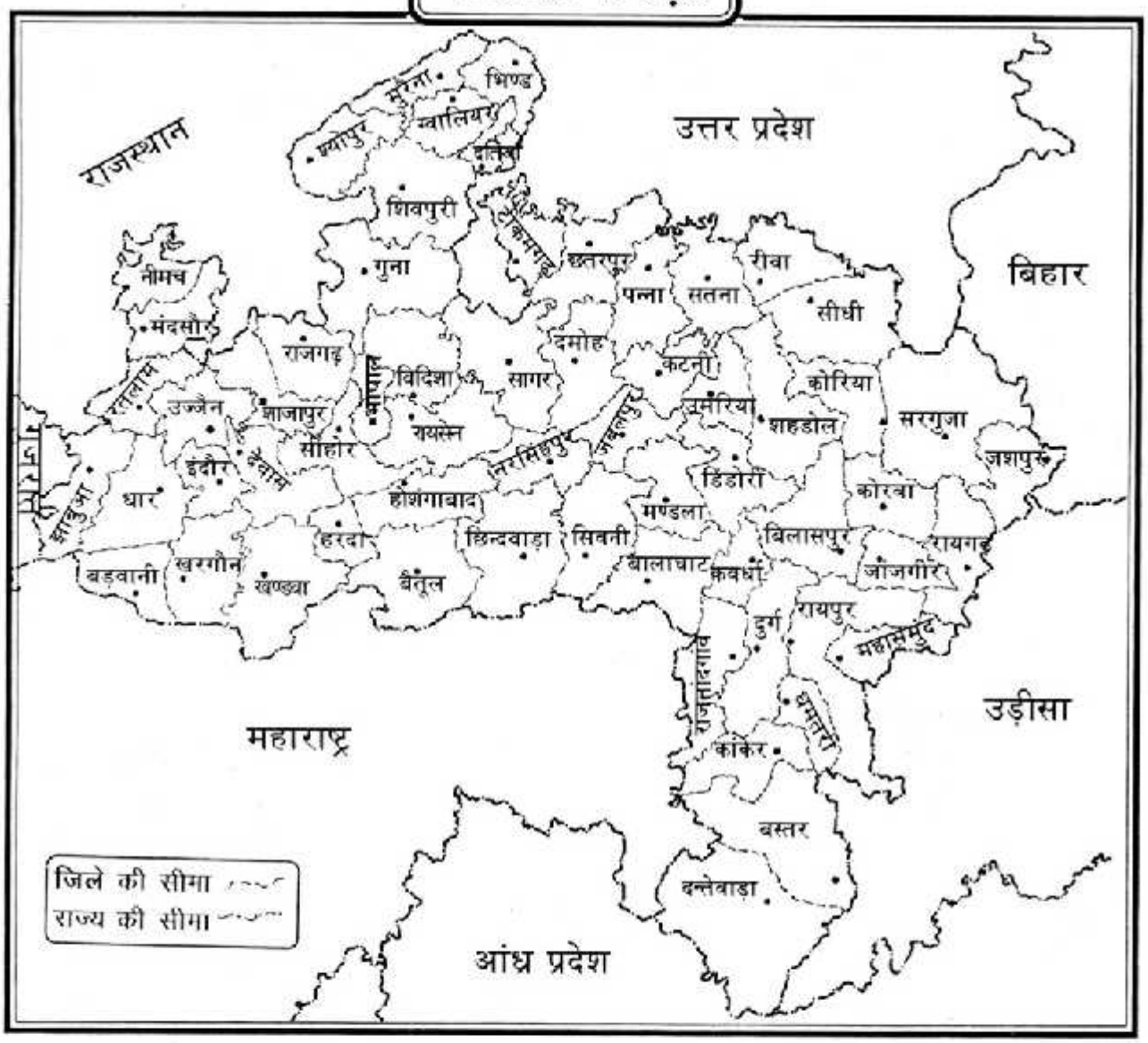

इन नामों को पढ़ो। क्या तुम इनमें से किसी जगह पर गए हुए हो?
या तुम्हारी पहचान के लोग इनमें से किसी जगह पर रहते हैं?
या तुम्हारी मुलाकात वहाँ रहने वाले लोगों से कभी हुई है?
आपस में अपने अनुभव सुनाओ – बताओ। गुरूजी के अनुभव भी सुनो।

*यह किताब सन् 1997 में प्रकाशित हुई। यह स्थिति उसी समय की है। 1 नवम्बर 2000 को छत्तीसगढ़ राज्य बन गया।

नक्शे में दिखाए गए ज़िलों में तुम 1 से 61 नंबर डाल दो। अपने ज़िले को हल्के से रंग दो। तुम्हारे ज़िले के पड़ोस में कौन–कौन से ज़िले हैं – नाम लिखो।

अच्छा, नक्शे में ध्यान से देखकर क्या तुम कह सकते हो कि आस पड़ोस के सभी ज़िलों की तुलना में क्या तुम्हारा ज़िला सबसे बड़ा है?

जिलाधीश

अपने राज्य को इतने ज़िलों में क्यों बाँटा गया?
तुम्हें क्या लगता है? अपने अपने विचार बताओ और गुरूजी के विचार भी जानो।
इस सवाल के जवाब में जो बातें सामने आईं, उन्हें लिखो।

ज़िले का सबसे बड़ा अधिकारी जिलाधीश कहलाता है। अंग्रेजी में उसे कलेक्टर कहते हैं। जानते हो क्यों? अंग्रेजी शासन के दिनों में हर ज़िले के किसानों से काफी सारा पैसा यानी लगान सरकार इकट्ठा करती थी। इस लगान या टैक्स को इकट्ठा करना जिस अधिकारी की ज़िम्मेदारी थी, उसे इकट्ठा करने वाले यानी कलेक्ट करने वाले को कलेक्टर कहते थे। तभी से यह नाम चला आ रहा है। हालांकि उसके कामों में बदलाव आता रहा है।

जिलाधीश ज़िले में सरकार के सारे कामों की देखरेख करता है।

तुमने सरकार के कौन–कौन से कामों के दफ्तर या ऑफिस देखे हैं?

हर ज़िले में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सिंचाई, पशुपालन, मत्स्य पालन, वन, महिला और बाल कल्याण रेवेन्यू आदि कई कामों के दफ्तर हैं। क्या तुम्हारे गुरूजी का या तुम्हारे घरवालों का इन दफ्तरों में काम पड़ता है? इन दफतरों के अनुभव सुनो और जानो।

हर दफ्तर में अलग–अलग अधिकारी होते हैं पर जिलाधीश उन सबके कामों की देखरेख करता है। जिलाधीश की यह भी ज़िम्मेदारी है कि जिले के सभी गाँव शहरों में शांति व्यवस्था बनी रहे, दंगा फसाद न हो।

फिर, खास मुसीबतों के समय लोगों की पूरी तरह मदद करना भी कलेक्टर की ज़िम्मेदारी है। जैसे कहीं आग लग जाए, भूकंप आ जाए, बाढ़ आ जाए तो लोगों की सुरक्षा करना, रहने–खाने का इंतज़ाम करना, दवाई इलाज का इंतज़ाम करना, कलेक्टर के फर्ज़ हैं।

तुम अपने ज़िले का नक्शा कक्षा की दीवार पर टाँगों और उसे ध्यान से देखकर बताओ

1. *ज़िले की सीमा किस तरह की लाइन से दिखाई गई है–*
2. *ज़िले में जो तहसीलें हैं, उनकी सीमा किस तरह की लाइन से दिख रही है–*
3. *तुम्हारे ज़िले की तहसीलों के नाम लिखो–*
4. *नदियाँ किस चिह्न से दिखाई गई हैं?*
5. *तुम्हारे ज़िले की नदियों के नाम क्या हैं?*
6. *रेल लाईन किस तरह दिखाई गई है?*
7. *तुम्हारे ज़िले में रेल लाइन पर कौन–कौन सी जगहें आती हैं? यह रेल लाइन आगे कहाँ जाती है।*
8. *पक्की सड़क कैसे दिखाई गई है?*
9. *तुम्हारे ज़िले में मुख्य सड़क मार्ग पर कौन–कौन सी जगहें हैं?*
10. *आपस में चर्चा करके यह सूची बनाओ (क)तुम्हारे ज़िले की फसलें (ख) तुम्हारे ज़िले के उद्योग धंधे (ग)तुम्हारे ज़िले के मेले*
11. *अगर हम कभी तुम्हारा ज़िला घूमने के लिए आ जाएँ तो तुम्हारी राय में हमें क्या–क्या देखना चाहिए और क्यों?*

अपना प्रदेश- मध्य प्रदेश

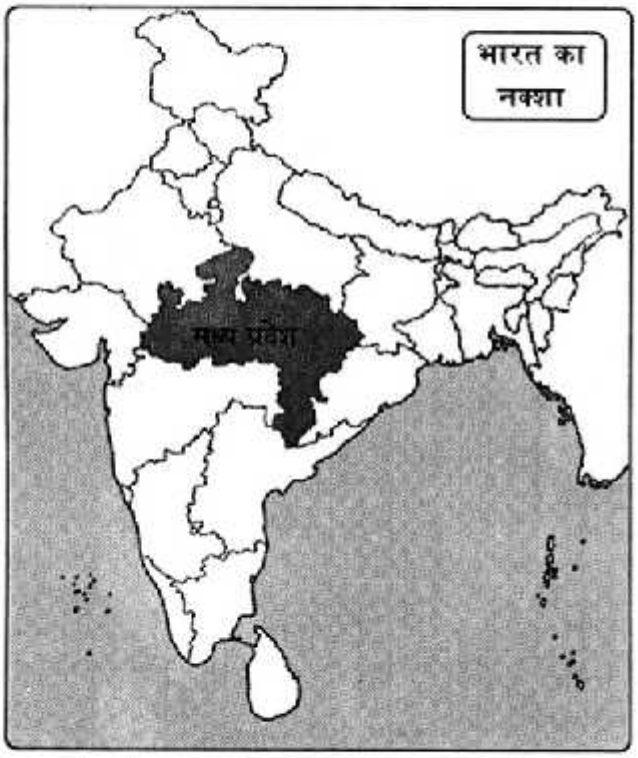

हम मध्य प्रदेश में रहते हैं जो भारत देश का एक हिस्सा है। मध्य प्रदेश भारत के ठीक बीच में है इसलिए इसका नाम मध्य प्रदेश पड़ा। हो सकता है तुम में से कुछ लोग अपने प्रदेश में कहीं घूमे हों। अगर तुमने मध्य प्रदेश में कहीं घूमा है तो सबको बताओ कि तुम कहाँ–कहाँ गए और क्या–क्या देखा।

इन पाठों में हम अपने प्रदेश के बारे में कई बातें पता करेंगे– यहाँ के नदी व पहाड़, यहाँ के जंगल, यहाँ के खेत और खेती, यहाँ की प्रसिद्ध जगहें, यहाँ के लोग आदि के बारे में पढ़ेंगे। सबसे पहले हम पढ़ेंगे, यहाँ के पहाड़ व नदियों के बारे में।

अपने प्रदेश में कई सारे पहाड़ हैं, इनसे बहुत सारी नदियाँ निकलती हैं और बहुत दूर तक बहती जाती हैं। मध्य प्रदेश की सबसे लंबी नदी का नाम तो तुम जानते ही होगे– नर्मदा नदी।

साथ में दिए नक्शे में मध्य प्रदेश के पहाड़, नदी व जंगलों के बारे में बताया गया है– कहाँ कौन से पहाड़ हैं, कौन सी नदियाँ हैं, साल का जंगल किधर है, सागौन का किधर है– यह सब इस नक्शे से पता कर सकते हो।

यह अविभाजित मध्य प्रदेश का नक्शा है। अब इस राज्य के दो हिस्से होंगे। दक्षिण पूर्वी हिस्सा अब छत्तीसगढ़ राज्य कहलाएगा।

विंध्य और सतपुड़ा पर्वतमाला

नर्मदा नदी अपने प्रदेश के बीच से गुज़रती है।

1. *नक्शे में ध्यान से देखो यह दो लम्बी पर्वत मालाओं के बीच में बहती है।*
2. *नर्मदा नदी के उत्तर में ———————पर्वतमाला है और दक्षिण में ———————पर्वत माला है।*
3. *तुमने ज़रूर पहाड़ देखे होंगे– क्या तुम यहाँ किसी पहाड़ का चित्र बना सकते हो?*

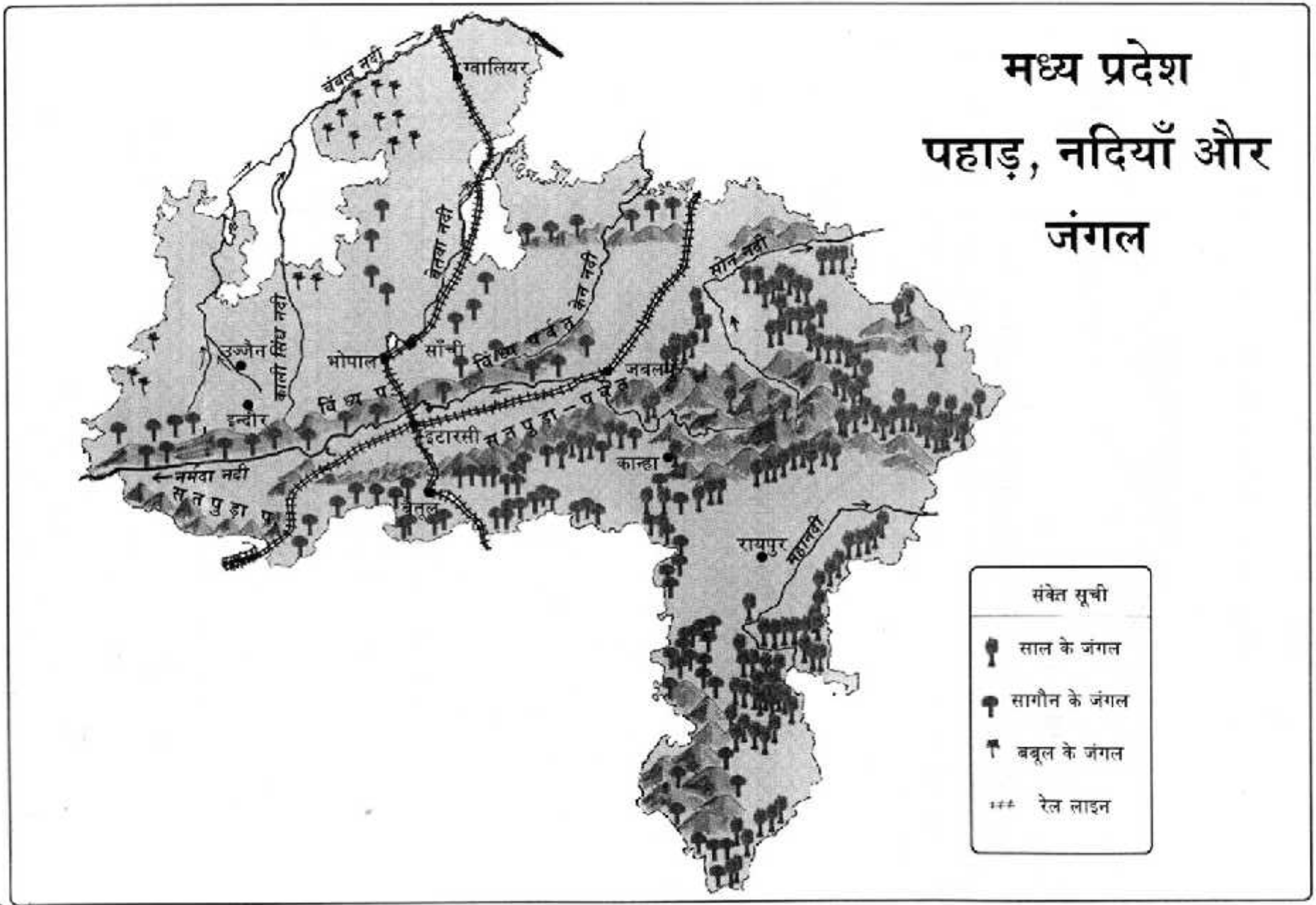
मध्य प्रदेश
पहाड़, नदियाँ और
जंगल
चंबल नदी
ग्वालियर
बेतवा नदी
केन नदी
सोन नदी
उज्जैन
काली सिंध नदी
भोपाल
साँची
जबलपुर
इन्दौर
इटारसी
कान्हा
नर्मदा नदी
बैतूल
रायपुर
महानदी
संकेत सूची
साल के जंगल
सागौन के जंगल
बबूल के जंगल
रेल लाइन

पहाड़ में तो एक चोटी होती है। जब ऐसे सैकड़ों हज़ारों पहाड़ एक के बाद एक होते हैं तब इसे पर्वत माला कहते हैं।

पहाड़

पर्वत माला

विंध्य पर्वत माला

ये अपने प्रदेश के सबसे पुराने पर्वत हैं। इतने पुराने कि इसलिए घिस घिस कर कम ऊँचाई के रह गए हैं। इसके अलावा इसकी दो और पहचान हैं– एक इसका रंग और दूसरा इसका आकार। विंध्य पर्वत की चट्टानें आम तौर पर हल्की गुलाबी रंग की होती हैं। इनमें लम्बी–लम्बी धारियाँ दिखेंगी। आम तौर पर पहाड़ इस आकार के होते हैं

लेकिन विंध्य पर्वत इनसे अलग दिखते हैं। यानी एक तरफ ढलान होती है और दूसरी तरफ हल्की ढलान होती है – नीचे दिए चित्र की तरह।

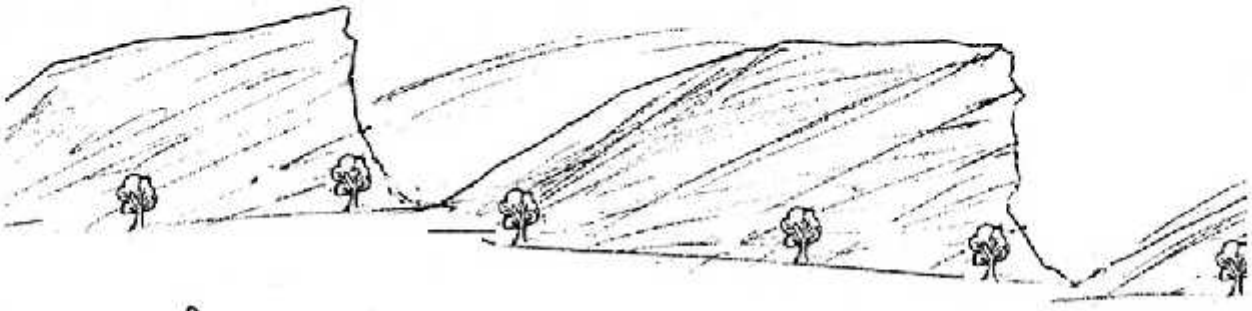

सतपुड़ा पर्वत माला

ये पर्वत अपने प्रदेश के सबसे ऊँचे पर्वत हैं। ये विंध्य पर्वत से काफी अलग दिखते हैं। इस पर्वत माला में बहुत ऊँचे–ऊँचे पहाड़ हैं। इन्हीं में महादेव और पचमढ़ी, अमरकंटक जैसी जगहें हैं। इनकी चट्टानें आम तौर पर काले रंग की होती हैं और उनमें बीच–बीच में सफेद चकमक पत्थरों की परत दिखती है। इनका आकार भी अलग है। यह सामान्य पहाड़ों जैसे होते हैं। मगर काफी कटे–फटे।

अब तुम इसे पन्ने न. 77 पर बने नक्शे में देखो और यहाँ से निकलने वाली नदियों की सूची बनाओ और यह भी बताओ कि वे किन पहाड़ों से निकलती हैं।

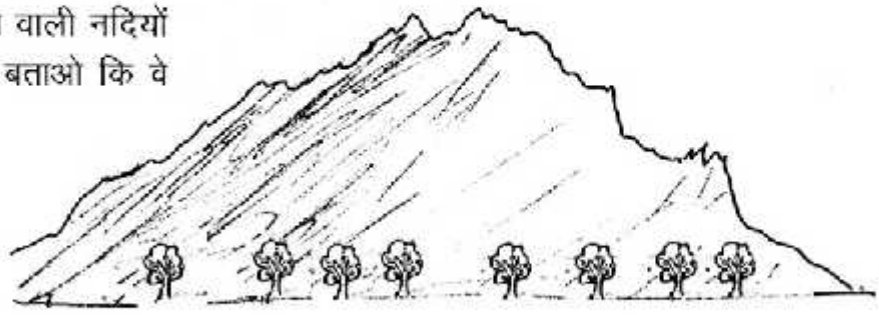

नदी	पहाड़	किस दिशा में बह रही है

ज़्यादातर नदियाँ पहाड़ों से शुरू होती हैं। शुरू में ये नदियाँ सँकरी होतीं है और आगे बढ़कर चौड़ी होती चली जाती हैं। तुमने कभी सोचा है कि नदियों में पानी कहाँ से आता है? तुम्हारे आसपास कई छोटी नदियाँ होंगी। क्या उनमें साल भर पानी रहता है? गर्मियों में शायद वे सूख भी जाती होंगी। फिर बरसात में लबालब भर भी जाती होंगी और उनमें पूर भी आता होगा, है ना?

नदियों में पानी आता कहाँ से है? आता तो बारिश से ही है, पर दो तरीकों से।

बरसात में पहाड़ों पर और मैदानों में जो पानी गिरता है वो छोटे–बड़े नालों में भर जाता है। ये नाले सारा पानी नदी में भरते जाते हैं।

बारिश का कुछ पानी ज़मीन सोख लेती है और पहाड़ों में छोटे–छोटे कटाव में बारिश का पानी भरता जाता है। बरसात खत्म होने के बाद भी यह पानी धीरे–धीरे ज़मीन के अंदर रिसता हुआ नदी तक पहुँचता रहता है। तुमने देखा होगा कि नदियों के कुछ हिस्सों में तो पानी दिखता रहता है। लेकिन ऊपर से सूखे दिखने वाले हिस्सों में भी रेत खोदो तो नीचे पानी मिलता है। कभी खोद के देखा है?

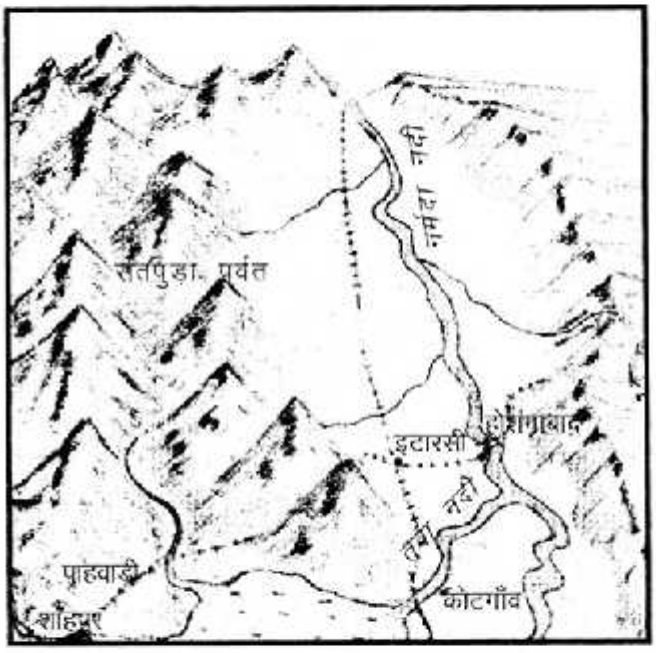

छोटे नदी–नाले, बड़ी नदियों को कैसे भरते हैं, इसको समझने के लिए माचना नदी का उदाहरण ले सकते हो। माचना बैतूल के पास की पहड़ियों से निकलती है। ये पहाड़ियाँ सतपुड़ा पर्वत का हिस्सा हैं। माचना में शाहपुर के आसपास के कई छोटे–छोटे बरसाती नाले मिलते हैं। फिर माचना आगे जाकर तवा नदी में मिल जाती है। माचना की तरह तवा में और भी कई नदियाँ मिलती हैं जैसे देनवा जो पचमढ़ी की पहाड़ियों से नीचे आती है। इन सबका पानी लेकर तवा नर्मदा नदी में मिल जाती है। तवा की तरह और नदियाँ नर्मदा नदी में मिलती हैं। इन सभी नदियों का पानी लेकर नर्मदा नदी खंभात की खाड़ी में जाकर समुद्र से मिल जाती है। इस चित्र में देखकर उन नदियों के नाम लिखो जिन का पानी नर्मदा नदी में मिल जाता है।

पन्ना नं. 77 पर नक्शे में सिर्फ कुछ बड़ी और मुख्य नदियाँ ही दिखाई गई हैं।
तुमने विंध्य और सतपुड़ा पहाड़ों व नर्मदा नदी के बारे में पढ़ा। तुम मिट्टी, पत्थर, पौधे से झांकी बनाओ।

मध्य प्रदेश

पहाड़ और नदियाँ

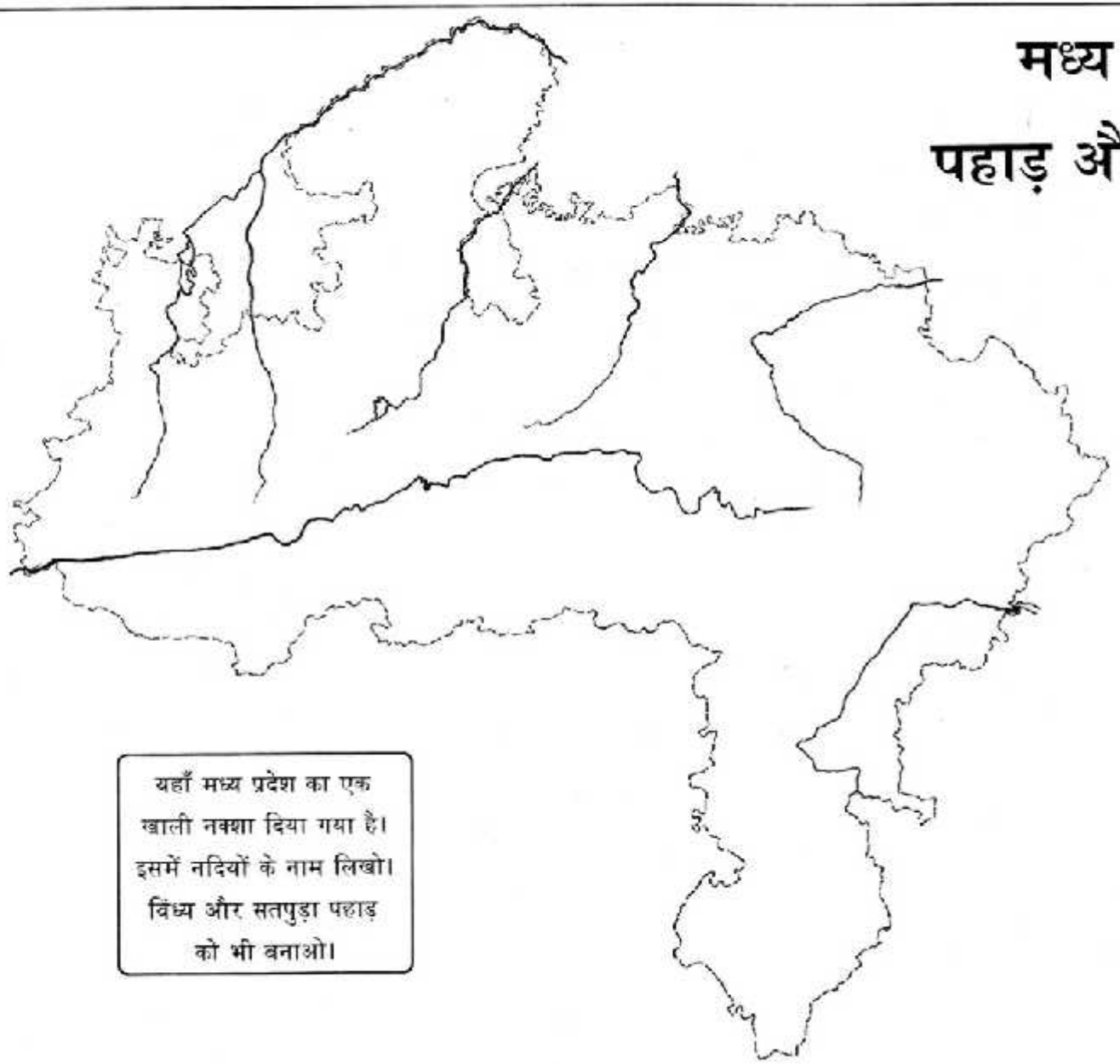

यहाँ मध्य प्रदेश का एक खाली नक्शा दिया गया है। इसमें नदियों के नाम लिखो। विंध्य और सतपुड़ा पहाड़ को भी बनाओ।